<u>कारपोरेट क्षेत्र संबंधी मासिक सूचना बुलेटिन</u>

<u>जनवरी, 2015</u>

भारत सरकार
कारपोरेट कार्य मंत्रालय
5वां तल, ए-विंग, शास्त्री भवन,
डॉ. आर.पी. रोड, नई दिल्ली-110001.

<u>प्रमुख उपलब्धियां</u>

I <u>31 जनवरी, 2015 तक पंजीकृत कंपनियां</u>

1. 31 जनवरी, 2015 की स्थिति के अनुसार देश में कुल 14,46,098 कंपनियां पंजीकृत थीं। इनमें से 2,64,180 कंपनियां बंद हो गईं; 101 कंपनियों को कंपनी अधिनियम, 2013 के अनुसार निष्क्रिय दर्जा दिया गया; 1,39,927 कंपनियों ने लगातार तीन वर्षों से अपनी सांविधिक वार्षिक फाइलिंग नहीं की है; 5,258 कंपनियां समापनाधीन थीं; 23,185 कंपनियों का नाम रजिस्टर से हटाने की कार्रवाई चल रही थी और 182 कंपनियों को पुन: सक्रिय करने की कार्रवाई चल रही थी। उपर्युक्त को देखते हुए 31 जनवरी, 2015 तक 10,13,265 सक्रिय कंपनियां थीं।

2. 2,64,180 बंद कंपनियों में से 10,250 कंपनियों का समापन/विघटन किया गया; 2,35,986 कंपनियां निष्क्रिय थीं (अत: नाम हटा दिया गया) ; 15,094 कंपनियों का अन्य कंपनियों के साथ समामेलन/विलय किया गया; 2,850 कंपनियों का विघटन करके एलएलपी में परिवर्तित किया गया। **तालिका 1.1** में 31 जनवरी, 2015 तक की कंपनियों की स्थिति संक्षेप में दशाई गई है।

3. 31 जनवरी, 2015 तक सक्रिय कंपनियों के प्राधिकृत पूंजीवार वितरण **(तालिका 1.2)** में दर्शाया गया है कि लगभग 65.62 प्रतिशत कंपनियों (6,64,945) में प्रत्येक की प्राधिकृत पूंजी 10 लाख रूपए से कम या इसके बराबर है और लगभग 2.13 प्रतिशत कंपनियों (21,539) प्रत्येक की प्राधिकृत पूंजी 10 करोड़ रूपए से अधिक है।

4. पंजीकृत कंपनियों के राज्य/संघ शासित क्षेत्रवार वितरण से पता चलता है कि महाराष्ट्र में कंपनियों की संख्या सर्वाधिक (2,92,345) है और इसके बाद दिल्ली (2,70,003) तथा पश्चिम बंगाल (1,84,379) है। इसी प्रकार 31 जनवरी, 2015 तक 'सक्रिय कंपनियों' में महाराष्ट्र में सर्वाधिक सक्रिय कंपनियां (2,13,735) हैं और इसके बाद दिल्ली (1,95,863) तथा पश्चिम बंगाल (1,37,136) सक्रिय कंपनियां हैं **(तालिका 1.3)**।

5. सक्रिय कंपनियों के आर्थिक कार्यकलापवार वर्गीकरण से पता चलता है कि सर्वाधिक कंपनियां व्यापार सेवा से संबंधित हैं। (2.50 लाख) जिसके बाद विनिर्माण (2.14 लाख), व्यवसाय (1.50 लाख), स्थावर संपदा और किराया (1.50 लाख) और निर्माण क्षेत्र में (1.06 लाख) कंपनियां हैं। व्यापार सेवा में सूचना प्रौद्योगिकी, अनुसंधान एवं विकास तथा अन्य व्यापार कार्यकलाप (जैसे विधि, लेखा परीक्षा और लेखाकारिता एवं परामर्श आदि) शामिल हैं **(तालिका 1.4 और चार्ट 1.1)**।

चार्ट 1.1 – 31 जनवरी, 2015 तक क्षेत्रवार सक्रिय कंपनियां

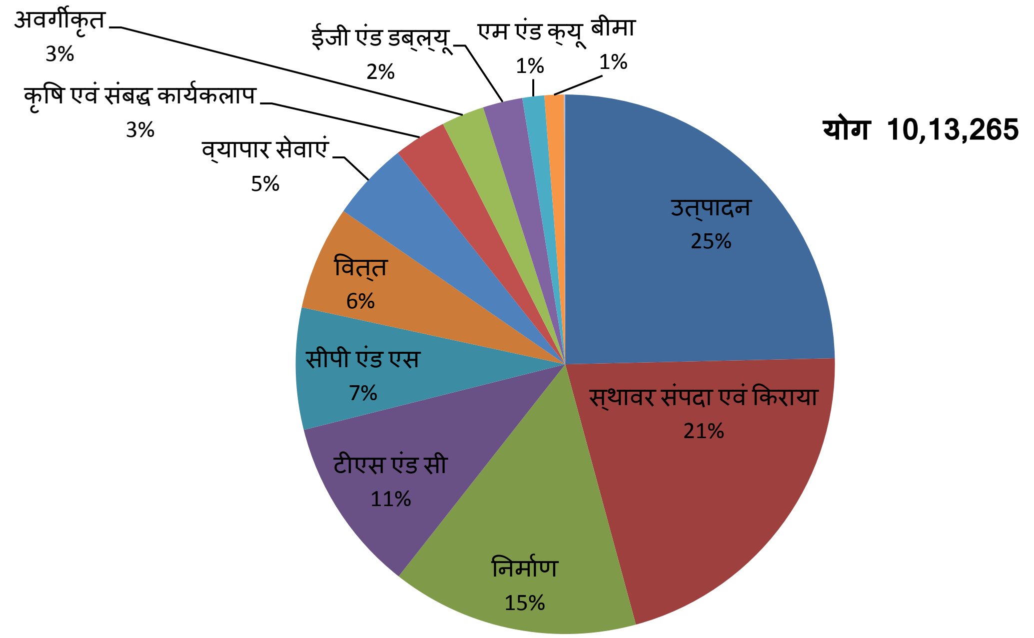

एम एंड क्यू - खनन एवं उत्खनन, ईजी एंड डब्ल्यू - विद्युत, गैस और पानी, टीएस एंडी सी - परिवहन, भंडारण एवं संचार, सीपी एंड एस - समुदाय, वैयक्तिक एवं सामाजिक सेवाएं। 24,072 सक्रिय कंपनियों (अवर्गीकृत श्रेणी) के पास अमान्य आर्थिक कार्यकलाप (एनआईसी-2004) कोड है।

II **एकल व्यक्ति कंपनी**

6. 31 जनवरी, 2015 तक कुल 1,705 एकल व्यक्ति कंपनियां 37.97 करोड़ रूपए की सामूहिक प्राधिकृत पूंजी के साथ पंजीकृत की गईं। 31 जनवरी, 2015 तक एकल व्यक्ति कंपनियों का आर्थिक कार्यकलापवार वर्गीकरण दर्शाता है कि अधिकतम एक व्यक्ति कंपनियां व्यापार सेवाओं (938) में हैं और इसके बाद समुदाय, वैयक्तिक एवं सामाजिक सेवाएं (246), स्थावर संपदा और किराया (156) और उत्पादन (136) हैं **(चार्ट 2.1)।** जनवरी, 2015 के दौरान 6.34 करोड़ रूपए की प्राधिकृत पूंजी के साथ कुल 298 एकल व्यक्ति कंपनियां पंजीकृत की गईं। इस माह के दौरान एकल व्यक्ति कंपनियों का आर्थिक कार्यकलापवार वर्गीकरण दर्शाता है कि अधिकतम 160 एकल व्यक्ति कंपनियां व्यापार सेवाओं में पंजीकृत की गईं और स्थावर संपदा और किराया में 50, उत्पादन में 29 कंपनियां थीं **(तालिका 2.1)**। जनवरी, 2015 के दौरान सर्वाधिक 59 एकल व्यक्ति कंपनियां दिल्ली में (19.80%), महाराष्ट्र में 51 (17.11%) और कर्नाटक तथा उत्तरप्रदेश प्रत्येक में 29 (09.73%) पंजीकृत की गईं **(तालिका 6.1)**।

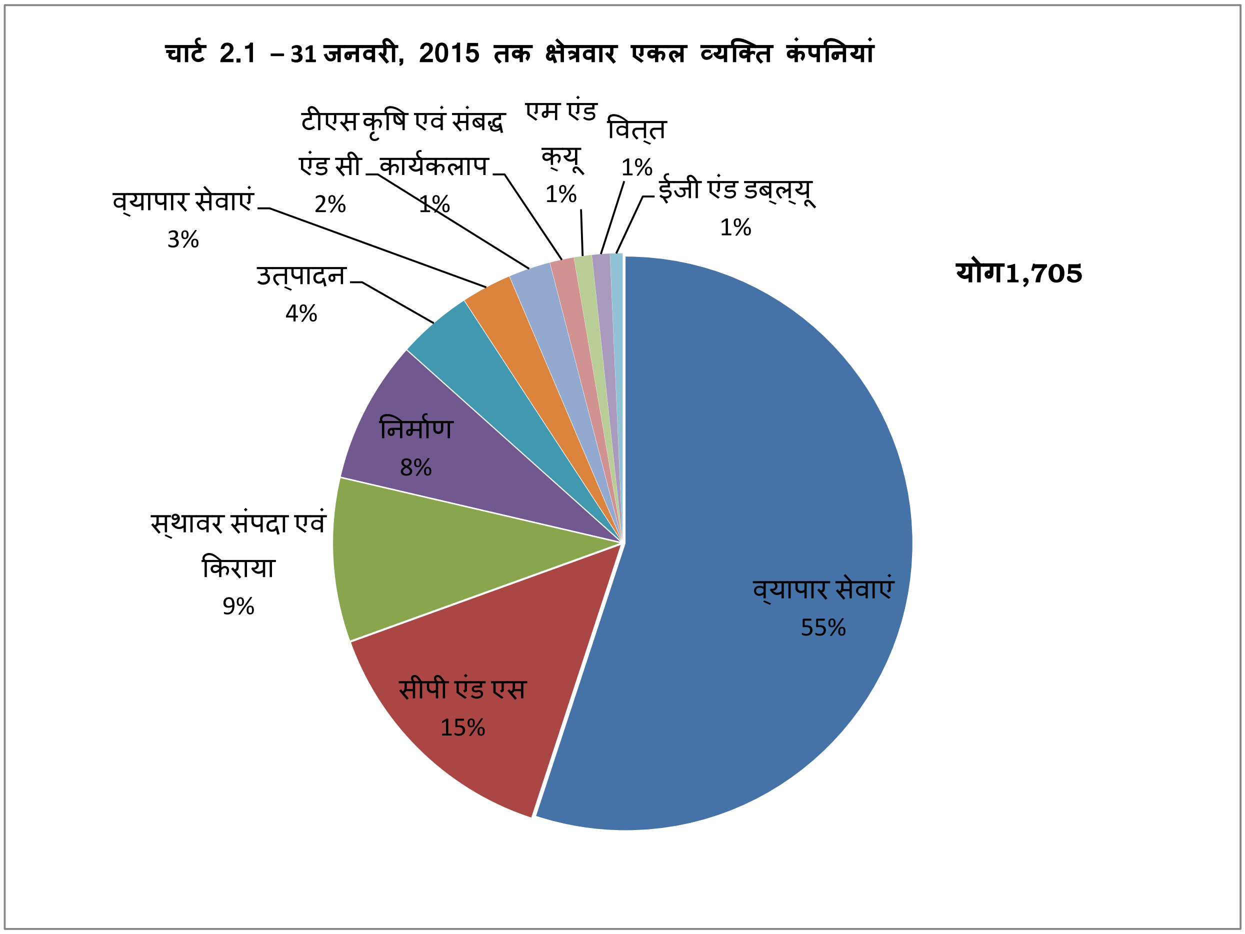

एम एंड क्यू - खनन एवं उत्खनन, ईजी एंड डब्ल्यू - विद्युत, गैस और पानी, टीएस एंडी सी - परिवहन, भंडारण एवं संचार, सीपी एंड एस - समुदाय, वैयक्तिक एवं सामाजिक सेवाएं, 'आरईएंडआर' - स्थावर संपदा और किराया।

III नई कंपनियों और एलएलपी के पंजीकरण की प्रवृत्ति

7. जनवरी, 2013 से 31 जनवरी, 2015 तक नई कंपनियों के पंजीकरण का विश्लेषण दर्शाता है कि प्रति माह कंपनियों का पंजीकरण बढ़ा है जो अप्रैल, 2014 में न्यूनतम 765 था **(चार्ट 3.1)**। हालांकि जनवरी, 2014 में पंजीकृत 8,206 कंपनियों की तुलना में जनवरी, 2015 में 6, 902 कंपनियां पंजीकृत की गईं परंतु जनवरी, 2015 में पूर्व माह की तुलना में अधिक संख्या में कंपनियां पंजीकृत की गईं। पिछले कुछ माह में एलएलपी के पंजीकरण में भी वृद्धि देखी गई जिसमें जनवरी, 2015 में सर्वाधिक 1,526 कंपनियां पंजीकृत की गईं **(तालिका 3.1)**। अप्रैल, 2014 से नई कंपनियों के साथ-साथ एलएलपी के पंजीकरण में वृद्धि हुई हालांकि अक्टूबर, 2014 में इनकी संख्या में गिरावट देखी गई।

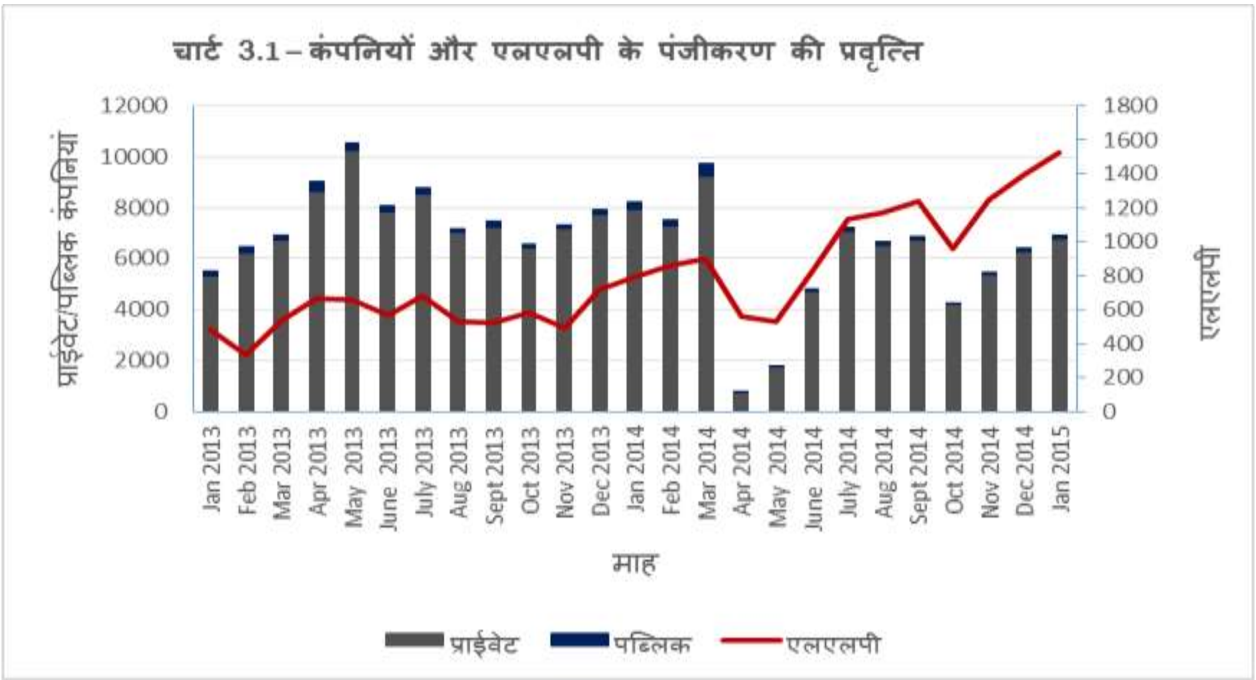

IV <u>जनवरी, 2015 के दौरान नई कंपनियों का पंजीकरण</u>

8. जनवरी, 2015 के दौरान 1,268.45 करोड़ रूपए की सामूहिक प्राधिकृत पूंजी के साथ कुल 6,902 कंपनियां पंजीकृत की गईं। इनमें से 6,858 कंपनियां 1,268.33 करोड़ रूपए की प्राधिकृत पूंजी के साथ शेयरों द्वारा सीमित कंपनियां थीं; 41 कंपनियां 4.20 लाख रूपए की प्राधिकृत पूंजी के साथ गारंटी द्वारा सीमित कंपनियां थीं और 3 कंपनियां 8.00 लाख रूपए की पूंजी के साथ असीमित कंपनियों के रूप में पंजीकृत की गईं **(तालिका4.1)**।

9. जनवरी, 2015 के दौरान कंपनियों का आर्थिक कार्यकलापवार वर्गीकरण **(तालिका 4.2 और चार्ट 4.1)**। दर्शाता है कि सर्वाधिक कंपनियां व्यापार सेवा (3,147) में थीं और उत्पादन (893), व्यवसाय (640), निर्माण (540) और स्थावर संपदा तथा किराया (455) थीं।

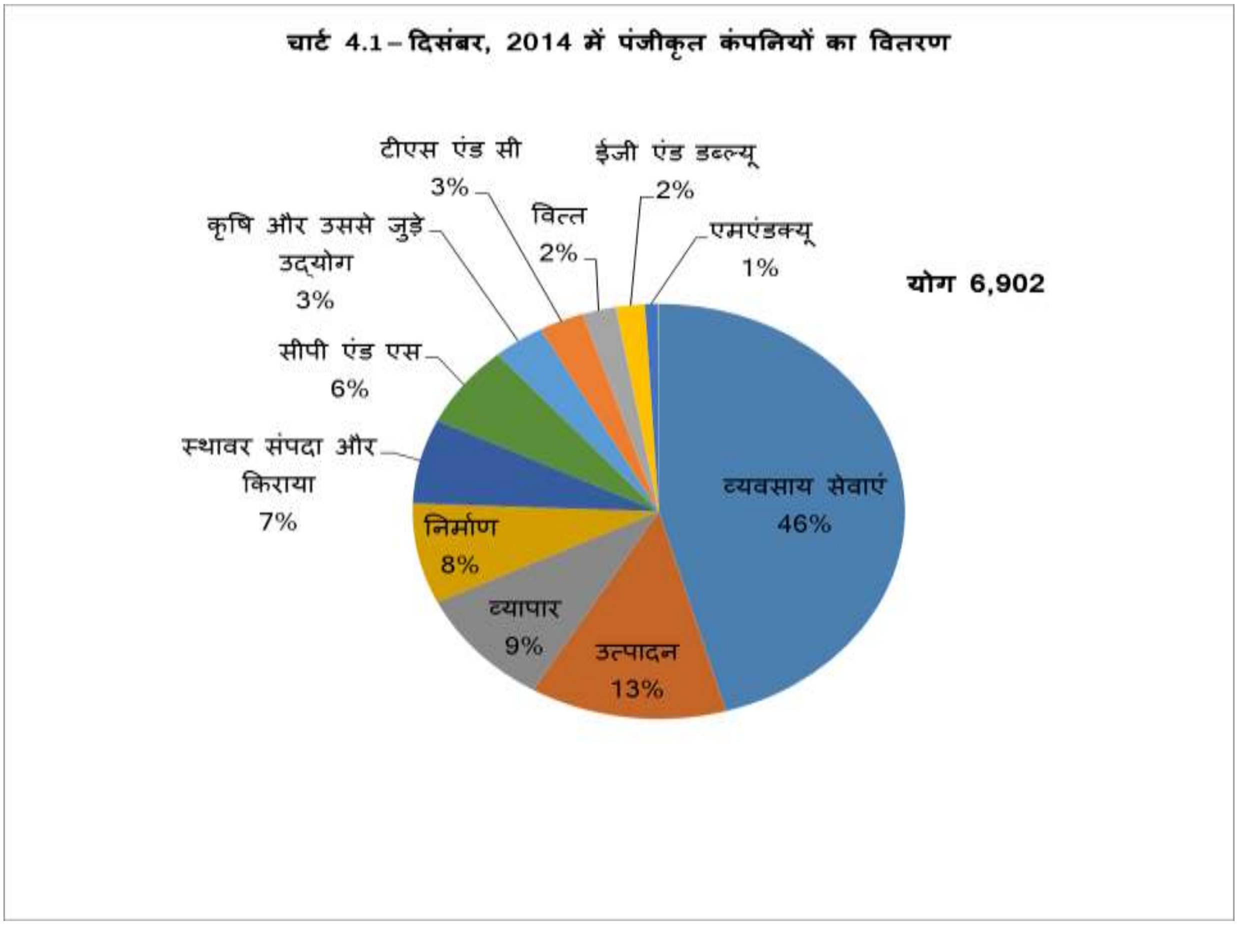

'एमएंडक्यू' से खनन और उत्खनन, 'ईजीएंडडब्ल्यू' से विद्युत, गैस और जल, 'टीएस एंड सी' से परिवहन, भंडारण और संचार तथा 'सीपी एंड एस' से समुदाय, व्यक्तिगत और सामाजिक सेवाएं अभिप्रेत हैं।

10.जनवरी, 2015 के दौरान दिल्ली में 1,266 कंपनियां (18.34%), महाराष्ट्र में 1,251 (18.13%) और उत्तर प्रदेश में 648 (9.39%) कंपनियां पंजीकृत हुईं **(तालिका 4.3)**।

V. सीमित देयता भागीदारियां (एलएलपी) और विदेशी कंपनियां

11. 31 जनवरी, 2015 की स्थिति के अनुसार देश में कुल 32,371 एलएलपी पंजीकृत थी और उनमें से 31,971 सक्रिय थी। लगभग 82.46% सक्रिय सीमित देयता भागीदारियों (26,362) में से प्रत्येक पर पांच लाख रूपए या उसके बराबर अंशदान की देयता थी; और मात्र 3.07% सीमित देयता भागीदारियों (980) मे से प्रत्येक पर एक करोड़ रुपए से अधिक के अंशदान की देयता थी (**तालिका 5.1 और चार्ट 5.1**)।

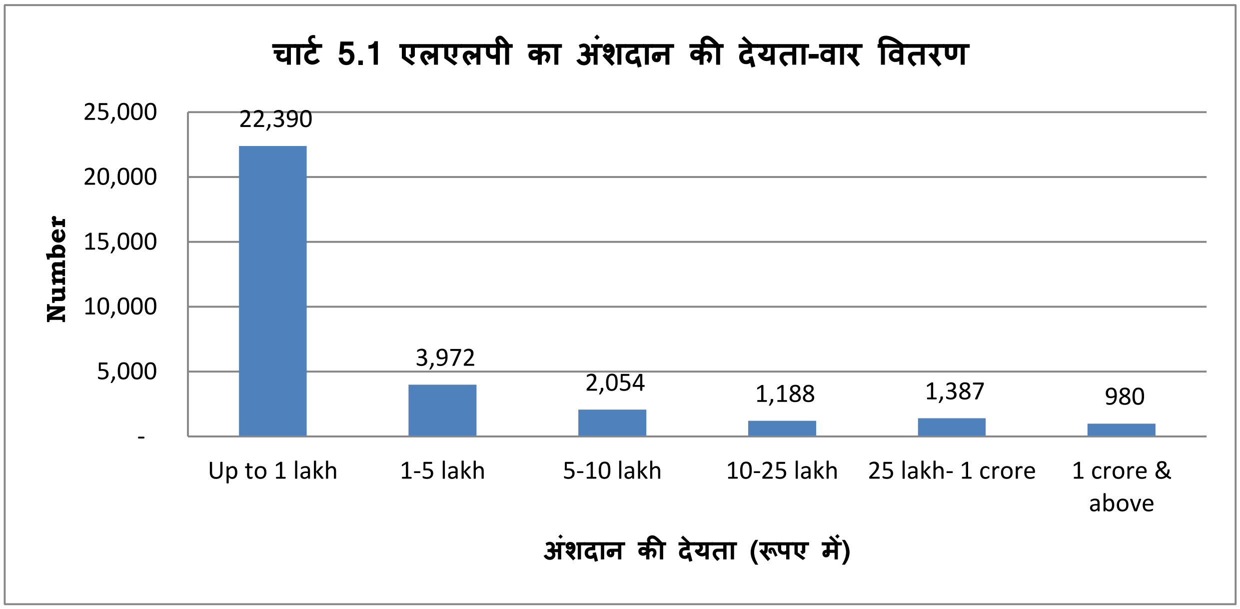

12. 31 जनवरी, 2015 को सक्रिय एलएलपी के मुख्य आर्थिक क्षेत्र-वार वर्गीकरण से यह स्पष्ट होता है कि सेवा क्षेत्र में सर्वाधिक 23,974 एलएलपी हैं, जिसके बाद उद्योग और कृषि क्षेत्र में क्रमश: 7407 और 588 एलएलपी हैं। 31 जनवरी, 2015 की स्थिति के अनुसार सक्रिय एलएलपी के आर्थिक कार्यकलाप-वार वर्गीकरण से यह स्पष्ट होता है कि सेवा क्षेत्र में बड़ी संख्या में एलएलपी हैं (12,619) जिसके बाद स्थावर संपदा और किराया (3893), निर्माण (3761) और व्यापार (3,489) आता है (**तालिका 5.2 और चार्ट 5.2**)।

चार्ट 5.2 – 31 जनवरी, 2015 की स्थिति के अनुसार क्षेत्रवार एलएलपी

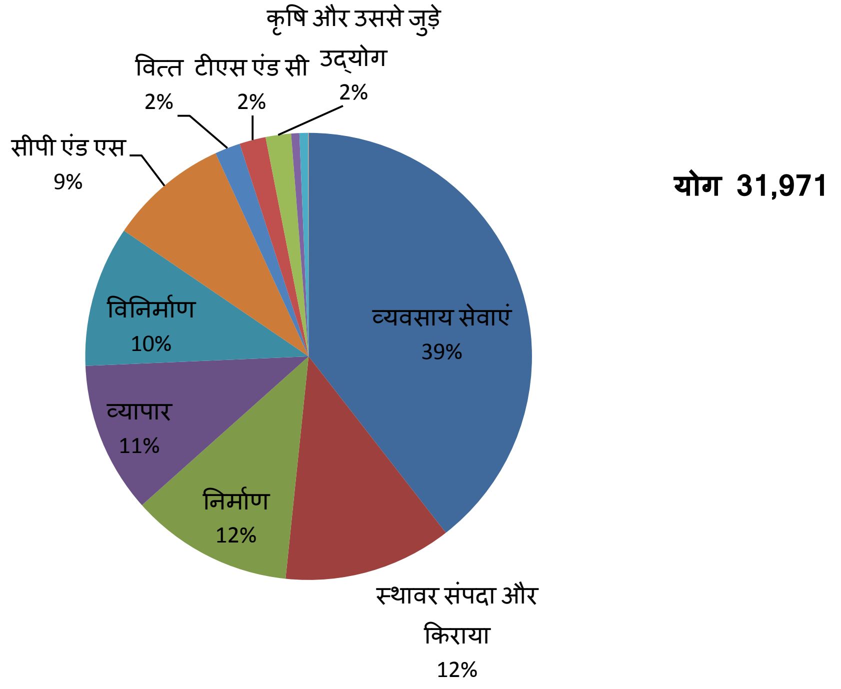

'टीएस एंड सी' से परिवहन, भंडारण और संचार तथा 'सीपी एंड एस' से समुदाय, व्यक्तिगत और सामाजिक सेवाएं अभिप्रेत हैं।

13. जनवरी, 2015 के दौरान कुल 1,526 सीमित देयता भागिदारियां (एलएलपी) पंजीकृत हुई जिनकी कुल अंशदान देयता 174.77 करोड़ रुपए थी। इस माह के दौरान सीमित देयता भागिदारियों के आर्थिक कार्यकलाप-वार वर्गीकरण से यह स्पष्ट होता है कि सर्वाधिक 553 एलएलपी व्यावसायिक सेवाओं में थी जिसके पश्चात् स्थावर संपदा और किराये में 198 और विनिर्माण में 192 एलएलपी थी (**तालिका 5.3 और चार्ट 5.3**)। जनवरी, 2015 के महीने में सर्वाधिक 495 एलएलपी महाराष्ट्र में (32.44%) पंजीकृत हुई जिसके पश्चात् दिल्ली में 190 (12.45%) एलएलपी पंजीकृत हुई **(तालिका 6.1)**।

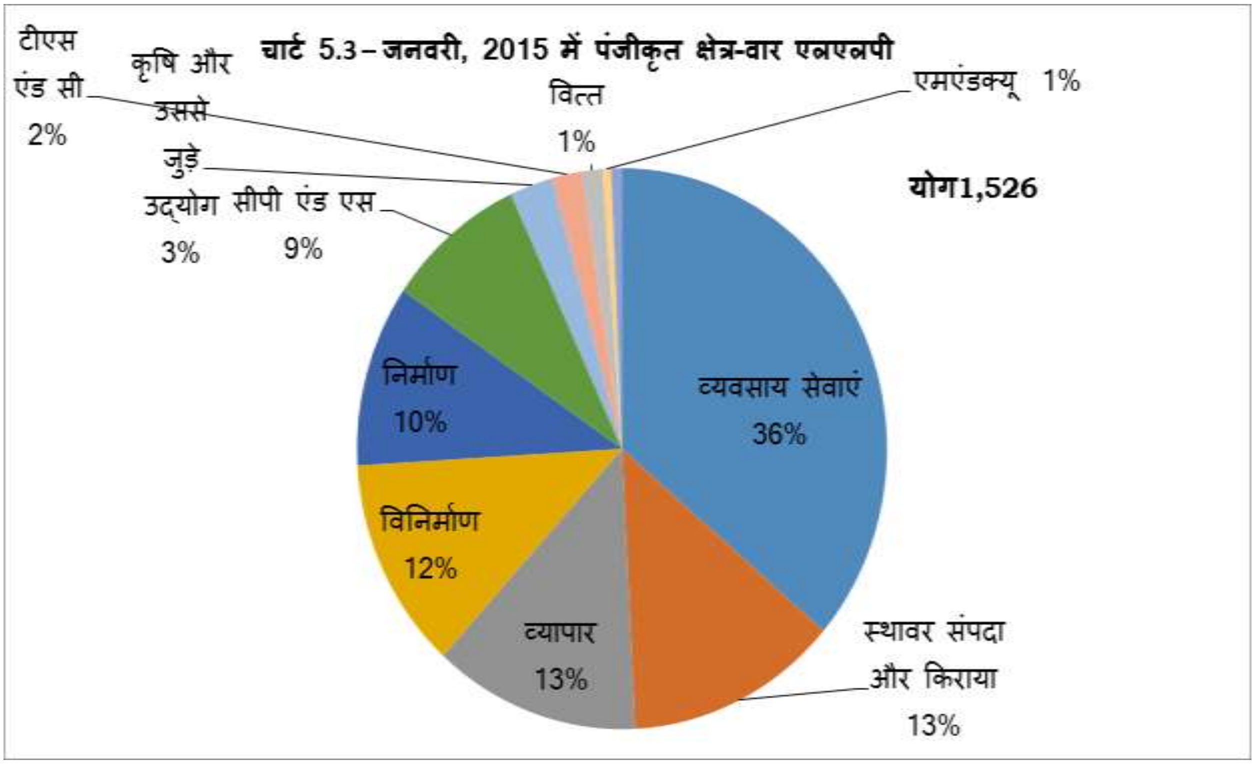

'एमएंडक्यू' से खनन और उत्खनन, 'टीएस एंड सी' से परिवहन, भंडारण और संचार तथा 'सीपी एंड एस' से समुदाय, व्यक्तिगत और सामाजिक सेवाएं अभिप्रेत हैं।

<u>विदेशी कंपनियां</u>

14. 31 जनवरी, 2015 की स्थिति के अनुसार, कुल 3302 विदेशी कंपनियां भारत में व्यवसाय कर रही थीं। जनवरी, 2015 के महीने में 05 विदेशी कंपनियां भारत में पंजीकृत हुईं जिनमें महाराष्ट्र में 2, दिल्ली, हरियाणा और तेलंगाना प्रत्येक में 1, विदेशी कंपनियां पंजीकृत हुईं। इन 05 विदेशी कंपनियों में से 04 व्यवसाय सेवाओं के अधीन पंजीकृत हुई और शेष एक व्यापार के अधीन पंजीकृत हुई।

*****

तालिका 1.1 31 जनवरी, 2015 की स्थिति के अनुसार भारत में कंपनियों का सार विवरण		
1	**31 जनवरी, 2015 की स्थिति के अनुसार पंजीकृत कंपनियां**	**1,446,098**
2	बंद कंपनियों की संख्या	264,180
i	*परिसमापित/विघटित कंपनियों की संख्या*	10,250
ii	*निष्क्रिय/नाम हटाए गए (धारा 560) कंपनियों की संख्या*	235,986
iii	*आमेलित/विलय की गई कंपनियो की संख्या*	15,094
iv	*एलएलपी में संपरिवर्तित कंपनियों की संख्या*	2,850
3	कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 455 के अधीन निष्क्रिय कंपनियों की संख्या	101
4	लगातार तीन वर्षों के लिए सांविधिक वार्षिक फाइलिंग नहीं करने वाली कंपनियीं की संख्या	139,927
5	परिसमापनाधीन कंपनियों की संख्या	5,258
6	कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 560 की प्रक्रिया के अधीन कंपनियों की संख्या	23,185
7	एआईपीजी (प्रगति में सक्रिय) रहने वाली कंपनियों की संख्या	182
	सक्रिय कंपनियों की संख्या	**1,013,265**

नोट:

1. एआईपीजी - (प्रगति में सक्रिय) - निष्क्रिय कंपनी को मंत्रालय द्वारा लंबित वार्षिक फाइलिंग दर्ज करने हेतु 21 दिन का समय दिया जाता है। इस अवधि के दौरान कंपनी की स्थिति प्रगति में सक्रिय रहती है।
2. कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 के अधीन कंपनी रजिस्ट्रार को निष्क्रिय कंपनियों का नाम कंपनियों के रजिस्टर से हटाने का अधिकार है। यह प्रक्रिया कंपनियों के परिसमापन से (अधिकरण द्वारा या स्वैच्छिक रूप से) अलग है।

तालिका 1.2 - 31 जनवरी, 2015 की स्थिति के अनुसार प्राधिकृत पूंजी-वार सक्रिय कंपनियां (प्राधिकृत पूंजी करोड़ रुपए में)							
क्रम संख्या	प्राधिकृत पूंजी रेंज	निजी		सार्वजनिक		योग	
		संख्या	प्राधिकृत पूंजी	संख्या	प्राधिकृत पूंजी	संख्या	प्राधिकृत पूंजी
1	एक लाख रुपए तक	342,711	3,385.32	1,586	1.30	344,297	3,386.63
2	1 लाख रुपए से अधिक और 5 लाख रुपए तक	187,485	7,915.15	9,468	471.67	196,953	8,386.82
3	5 लाख रुपए से अधिक और 10 लाख रुपए तक	117,879	11,516.16	5,816	554.21	123,695	12,070.37
4	10 लाख रुपए से अधिक और 25 लाख रुपए तक	86,486	17,947.35	5,208	1,139.18	91,694	19,086.53
5	25 लाख रुपए से अधिक और 50 लाख रुपए तक	70,181	30,361.66	5,255	2,394.80	75,436	32,756.46
6	50 लाख रुपए से अधिक और 1 करोड़ रुपए तक	58,544	52,040.58	7,727	7,276.46	66,271	59,317.05
7	1 करोड़ रुपए से अधिक और 2करोड़ रुपए तक	33,593	55,720.37	5,196	8,925.56	38,789	64,645.93
8	2 करोड़ रुपए से अधिक और 5करोड़ रुपए तक	30,451	110,532.43	8,272	32,644.55	38,723	143,176.98
9	5 करोड़ रुपए से अधिक और 1010 करोड़ रुपए तक	10,084	79,383.14	5,784	46,105.22	15,868	125,488.36
10	10 करोड़ रुपए से अधिक और 25 करोड़ रुपए तक	6,209	103,043.74	4,931	84,376.47	11,140	187,420.21
11	25 करोड़ रुपए से अधिक और 100 करोड़ रुपए तक	3,598	178,750.11	3,550	185,011.60	7,148	363,761.71
12	100 करोड़ रुपए से अधिक और 500 करोड़ रुपए तक	1,098	232,797.91	1,195	259,527.33	2,293	492,325.24
13	500 करोड़ रुपए से अधिक और 1000 करोड़ रुपए तक	130	99,060.89	235	186,140.81	365	285,201.70
14	1000 करोड़ रुपए से अधिक	122	477,774.71	471	2,100,245.31	593	2,578,020.01
	योग	**948,571**	**1,460,229.52**	**64,694**	**2,914,814.48**	**1,013,265**	**4,375,044.00**

तालिका 1.3: 31 जनवरी, 2015 तक पंजीकृत कंपनियों की राज्य/संघ-शासित प्रदेश-वार स्थिति

क्र.सं.	राज्य/संघ-शासित प्रदेश	पंजीकृत	बंद की गई	3वर्षों तक वार्षिक फाइलिंग नहीं की गई	निष्क्रिय	जिनके विरूद्ध परिसमापन की कार्रवाई चल रही है	जिनके विरूद्ध नाम हटाने की कार्रवाई चल रही है	एआईपीजी	सक्रिय
1	अंडमान और निकोबार दीव समूह	243	5	46	-	-	-	2	190
2	आंध्र प्रदेश	20,929	2,146	5,396	-	52	199	4	13,132
3	अरूणाचल प्रदेश	489	234	9	-	2	61	-	183
4	असम	9,207	2,720	173	-	14	1,254	1	5,045
5	बिहार	19,337	2,367	1,214	1	41	3,360	3	12,351
6	चंडीगढ	12,596	3,917	1,105	-	68	82	-	7,424
7	छत्तीगढ़	7,459	1,042	244	-	1	19	1	6,152
8	दादर एवं नगर हवेली	443	39	52	-	-	11	-	341
9	दमन एवं दीव	308	59	22	1	2	35	-	189
10	दिल्ली	270,003	43,662	28,232	31	682	1,509	24	195,863
11	गोवा	7,317	1,408	443	-	11	628	-	4,827
12	गुजरात	80,520	14,031	10,858	4	568	2,898	5	52,156
13	हरियाणा	25,519	2,443	2,172	4	28	147	2	20,723
14	हिमाचल प्रदेश	4,675	1,111	413	-	20	122	-	3,009
15	जम्मू और कश्मीर	3,947	609	979	-	15	68	-	2,276
16	झारखंड	8,771	1,049	616	-	12	804	1	6,289
17	कर्नाटक	77,588	15,309	7,902	6	495	861	6	53,009
18	केरल	37,542	10,264	2,217	14	295	165	6	24,581
19	लक्षद्वीप	12	-	2	-	-	-	-	10
20	मध्य प्रदेश	29,532	7,380	1,339	-	65	164	1	20,583
21	महाराष्ट्र	292,345	41,140	33,955	11	1,246	2,181	77	213,735
22	मणिपुर	387	153	17	-	-	36	1	180
23	मेघालय	931	320	13	-	2	69	-	527
24	मिजोरम	96	53	7	-	-	7	-	29
25	नागालैंड	475	262	25	-	1	36	-	151
26	उड़ीसा	18,211	5,542	567	-	64	223	-	11,815
27	पुडूचेरी	2,731	1,140	229	-	13	4	-	1,345
28	पंजाब	26,035	8,467	2,018	-	113	159	-	15,278
29	राजस्थान	45,514	7,283	1,393	1	73	2,169	2	34,593
30	सिक्किम	-	-	-	-	-	-	-	-
31	तमिलनाडु	113,495	27,603	15,434	8	271	1,744	22	68,413
32	तेलंगाना	76,203	6,903	17,226	-	222	803	16	51,033
33	त्रिपुरा	330	80	5	-	-	40	-	205
34	उत्तर प्रदेश	63,940	11,339	4,714	5	214	663	6	46,999
35	उत्तराखंड	4,589	728	83	-	14	271	-	3,493
36	पश्चिम बंगाल	184,379	43,372	807	15	654	2,393	2	137,136
	कुल	**1,446,098**	**264,180**	**139,927**	**101**	**5,258**	**23,185**	**182**	**1,013,265**

नोट

1 एआईपीजी(प्रगति में सक्रिय): मंत्रालय द्वारा एक निष्क्रिय कंपनी को अपनी लंबित वार्षिक फाइलिंग करने के लिए 21 दिन का समय दिया जाता है। इस अवधि के दौरान कंपनी की स्थिति प्रगति में सक्रिय होगी।

2 सिक्किम कंपनी अधिनियम, 1956 के तहत नहीं आता है।

तालिका 1.4: दिनांक 31 जनवरी, 2015 तक आर्थिक कार्यकलाप-वार सक्रिय कंपनियां (प्राधिकृत पूंजी करोड़ रूपए में)							
क्र.सं.	आर्थिक गतिविधि	निजी		सार्वजनिक		कुल	
		संख्या	प्राधिकृत पूंजी	संख्या	प्राधिकृत पूंजी	संख्या	प्राधिकृत पूंजी
I	**कृषि और संबद्ध गतिविधियां**	**23,175**	**15,855.88**	**2,860**	**32,753.46**	**26,035**	**48,609.34**
II	**उद्योग**	**319777**	**709,823.18**	**25,752**	**1,637,308.47**	**345,529**	**2,347,131.65**
1	*उत्पादन*	196,317	391,153.72	17,868	612,756.27	214,185	1,003,909.99
2	*निर्माण कार्य*	100,856	176,809.90	5,391	224,204.19	106,247	401,014.09
3	*बिजली, गैस और जल कंपनियां*	11535	113,285.21	1,750	743,267.14	13,285	856,552.35
4	*खनन और उत्खनन*	11,069	28,574.35	743	57,080.88	11,812	85,655.22
III	**सेवाएं**	**583665**	**702,540.99**	**33,964**	**1,080,325.81**	**617,629**	**1,782,866.81**
1	*व्यापार सेवाएं*	239,731	246,851.31	9,970	385,433.47	249,701	632,284.79
2	*व्यवसायिक*	30,684	43,734.62	1,459	171,140.29	32,143	214,874.91
3	*रीयल एस्टेट और किराया*	143,905	136,349.86	6,277	106,577.13	150,182	242,926.99
4	सामुदायिक, निजी और सामाजिक सेवाएं	59,239	62,285.46	3,858	117,223.29	63,097	179,508.75
5	*वित्त*	39,399	150,525.49	8,373	227,755.31	47,772	378,280.80
6	*परिवहन, संचयन और संचार*	70,084	61,708.77	3,890	31,783.33	73,974	93,492.10
7	*बीमा*	623	1,085.48	137	40,412.98	760	41,498.46
IV	**अन्य**	**21,954**	**32,009.47**	**2,118**	**164,426.74**	**24,072**	**196,436.21**
	कुल	**948,571**	**1,460,229.52**	**64,694**	**2,914,814.48**	**1,013,265**	**4,375,044.00**

अमान्य आर्थिक कार्यकलाप (एनआईसी-2004) कोड वाली कंपनियों को अवर्गीकृत श्रेणी में रखा गया है।

तालिका 2.1: आर्थिक गतिविधि-वार एकल व्यक्ति कंपनी (प्राधिकृत पूंजी लाख रूपए में)					
क्र.सं.	आर्थिक गातिविधि	31.01.2015 तक		जनवरी, 2015 के दौरान	
		संख्या	प्राधिकृत पूंजी	संख्या	प्राधिकृत पूंजी
I	**कृषि और संबद्ध गतिविधियां**	**23**	**91.00**	2	2.00
II	**उद्योग**	**236**	**654.00**	40	110.00
1	*उत्पादन*	136	366.00	29	99.00
2	*निर्माण कार्य*	71	209.00	6	6.00
3	*बिजली, गैस और जल कंपनियां*	12	34.00	3	3.00
4	*खनन और उत्खनन*	17	45.00	2	2.00
III	**सेवाएं**	**1,445**	**3,042.00**	256	522.00
1	*व्यापार सेवाएं*	938	1,884.00	160	312.00
2	*व्यवसायिक*	48	107.00	21	59.00
3	*रीयल एस्टेट और किराया*	156	375.00	50	98.00
4	सामुदायिक, निजी और सामाजिक सेवाएं	246	488.00	9	26.00
5	*वित्त*	17	73.00	11	22.00
6	*परिवहन, संचयन और संचार*	40	115.00	5	5.00
IV	**अन्य**	**1**	**10.00**	**-**	**-**
	कुल	**1,705**	**3,797.00**	**298**	**634.00**

तालिका 3.1 : पंजीकृत कंपनियों और सीमित देयता भागीदारियों की माहवार संख्या			
माह	सार्वजनिक कंपनियां	निजी कंपनियां	सीमित देयता भागीदारी
जनवरी 2013	182	5,326	483
फरवरी 2013	243	6,229	337
मार्च 2013	202	6,708	535
अप्रैल 2013	383	8,643	666
मई 2013	324	10,222	662
जून 2013	260	7,804	565
जुलाई 2013	230	8,554	679
अगस्त 2013	171	7,010	531
सितंबर 2013	271	7,227	524
अक्तूबर 2013	175	6,410	586
नवंबर 2013	169	7,166	493
दिसंबर 2013	204	7,740	722
जनवरी 2014	256	7,950	792
फरवरी 2014	213	7,300	865
मार्च 2014	508	9,247	897
अप्रैल 2014	27	738	562
मई 2014	29	1,760	531
जून 2014	89	4,712	825
जुलाई 2014	139	7,090	1,131
अगस्त 2014	130	6,546	1,171
सितंबर 2014	139	6,725	1,235
अक्तूबर 2014	89	4,194	963
नवंबर 2014	125	5,346	1,244
दिसंबर 2014	150	6,296	1,399
जनवरी 2015	144	6,758	1,526

तालिका 4.1: जनवरी, 2015 के दौरान नई कंपनियों का पंजीकरण			
क्र.सं.	**श्रेणी**	**संख्या**	**प्राधिकृत पूंजी (लाख रूपए में)**
1	**शेयरों द्वारा सीमित कंपनी**	**6,858**	**126,832.92**
i	*निजी*	6,723	113,234.92
ii	*सार्वजनिक*	135	13,598.00
2	**गारंटी द्वारा सीमित कंपनी**	**41**	**4.20**
i	*निजी*	32	4.20
ii	*सार्वजनिक*	9	0.00
3	**असीमित कंपनी**	**3**	**8.00**
i	*निजी*	3	8.00
ii	*सार्वजनिक*	0	0.00
	कुल	**6,902**	**126,845.12**

तालिका 4.2: जनवरी, 2015 के दौरान गतिविधि -वार नई कंपनियों का पंजीकरण (प्राधिकृत पूंजी लाख रूपए में)							
क्र.सं.	**आर्थिक गातिविधि**	**निजी**		**सार्वजनिक**		**कुल**	
		संख्या	**प्राधिकृत पूंजी**	**संख्या**	**प्राधिकृत पूंजी**	**संख्या**	**प्राधिकृत पूंजी**
I	**कृषि और संबद्ध गतिविधियां**	**228**	**3,255.70**	**6**	**40.00**	**234**	**3,295.70**
II	**उद्योग**	**1,593**	**61,696.05**	**29**	**2,700.00**	**1,622**	**64,396.05**
	उत्पादन	876	14,108.15	17	1,035.00	893	15,143.15
	निर्माण कार्य	532	5,335.90	8	560.00	540	5,895.90
	बिजली, गैस और जल कंपनियां	129	36,083.00	2	105.00	131	36,188.00
	खनन और उत्खनन	56	6,169.00	2	1,000.00	58	7,169.00
III	**सेवाएं**	**4,936**	**48,294.37**	**109**	**10,858.00**	**5,045**	**59,152.36**
	व्यापार सेवाएं	3,106	21,329.73	41	5,406.00	3,147	26,735.73
	व्यवसाय	635	6,956.00	5	60.00	640	7,016.00
	सामुदायिक, निजी और सामाजिक सेवाएं	435	3,760.94	8	150.00	443	3,910.94
	रीयल एस्टेट और किराया	439	5,721.80	16	97.00	455	5,818.80
	परिवहन, संचयन और संचार	204	2,671.20	-	-	204	2,671.20
	वित्त	115	7,848.70	38	1,645.00	153	9,493.70
	बीमा	2	6.00	1	3,500.00	3	3,506.00
IV	**अन्य**	**1**	**1.00**	**-**	**-**	**1**	**1.00**
	कुल	**6,758**	**113,247.12**	**144**	**13,598.00**	**6,902**	**126,845.12**

तालिका 4.3: जनवरी, 2015 के दौरान कंपनियों का राज्य/संघ शासनवार पंजीकरण

(प्राधिकृत पूंजी लाख रूपए में)

क्र.सं.	राज्य/संघ शासित प्रदेश	निजी		सार्वजनिक		कुल	
		संख्या	प्राधिकृत पूंजी	संख्या	प्राधिकृत पूंजी	संख्या	प्राधिकृत पूंजी
1	अंडमान और निकोबार दीव	2	22.00	-	-	2	22.00
2	आंध्र प्रदेश	171	3,116.50	1	1,000.00	172	4,116.50
3	अरूणाचल प्रदेश	1	1.00	-	-	1	1.00
4	असम	31	709.00	-	-	31	709.00
5	बिहार	205	1,902.50	8	95.00	213	1,997.50
6	चंडीगढ़	52	788.00	1	5.00	53	793.00
7	छत्तीगढ़	28	245.00	4	520.00	32	765.00
8	दादरा और नगर हवेली	2	2.00	-	-	2	2.00
9	दिल्ली	1,242	10,875.57	24	5,525.00	1,266	16,400.57
10	गोवा	18	147.00	-	-	18	147.00
11	गुजरात	373	3,922.70	10	115.00	383	4,037.70
12	हरियाणा	287	1,007.41	4	715.00	291	1,722.41
13	हिमाचल प्रदेश	21	164.00	-	-	21	164.00
14	जम्मू एवं कश्मीर	13	51.00	-	-	13	51.00
15	झारखंड	65	758.00	2	510.00	67	1,268.00
16	कर्नाटक	578	11,743.40	3	25.00	581	11,768.40
17	केरल	138	36,153.00	4	125.00	142	36,278.00
18	मध्य प्रदेश	149	2,125.00	-	-	149	2,125.00
19	महाराष्ट्र	1,230	13,579.05	21	3,655.00	1,251	17,234.05
20	मणिपुर	14	219.00	-	-	14	219.00
21	मेघालय	1	10.00	-	-	1	10.00
22	मिजोरम	2	11.00	-	-	2	11.00
23	नागलैड	3	21.00	-	-	3	21.00
24	उड़ीसा	84	697.50	-	-	84	697.50
25	पुडूचेरी	4	14.00	-	-	4	14.00
26	पंजाब	61	372.50	3	20.00	64	392.50
27	राजस्थान	155	1,320.00	2	10.00	157	1,330.00
28	तमिलनाडु	446	10,141.90	12	132.00	458	10,273.90
29	तेलंगाना	373	2,953.99	1	6.00	374	2,959.99
30	त्रिपुरा	3	3.00	1	100.00	4	103.00
30	उत्तर प्रदेश	617	5,400.80	31	290.00	648	5,690.80
31	उत्तराखंड	25	198.00	1	5.00	26	203.00
32	पश्चिम बंगाल	364	4572.30	11	745.00	375	5317.30
	कुल	**6,758**	**113,247.12**	**144**	**13,598.00**	**6,902**	**126,845.12**

तालिका 5.1: 31 जनवरी, 2015 तक योगदान की बाध्यता वार सक्रिय सीमित देयता भागीदारियां			
क्र.सं.	योगदान सीमा की बाध्यता	संख्या	योगदान की बाध्यता (लाख रूपए में)
1	1 लाख तक	22,390	17,491.53
2	1 लाख से अधिक और 5 लाख तक	3,972	13,657.24
3	5 लाख से अधिक और 10 लाख तक	2,054	19,104.69
4	10 लाख से अधिक और 25 लाख तक	1,188	22,116.40
5	25 लाख से अधिक और 50 लाख तक	743	30,320.73
6	50 लाख से अधिक और 1 करोड़ तक	644	56,072.02
7	1 करोड़ से अधिक और 2 करोड़ तक	297	46,000.89
8	2 करोड़ से अधिक और 5 करोड़ तक	341	117,055.34
9	5 करोड़ से अधिक और 10 करोड़ तक	149	116,194.58
10	10 करोड़ से अधिक और 25 करोड़ तक	92	155,801.98
11	25 करोड़ से अधिक और 100 करोड़ तक	89	473,583.31
12	100 करोड़ से अधिक	12	272,898.12
	कुल	**31,971**	**1,340,296.82**

तालिका 5.2: दिनांक 31 जनवरी, 2015 तक आर्थिक गतिविधि-वार सक्रिय सीमित देयता भागीदारियां			
क्रम संख्या	आर्थिक गतिविधि	संख्या	योगदान की बाध्यता (लाख रूपए में)
I	**कृषि और संबद्ध गतिविधि**	**588**	**22,005.38**
II	**उद्योग**	**7,407**	**502,391.94**
1	*उत्पादन*	3,256	143,960.99
2	*निर्माण कार्य*	3,761	198,737.13
3	*बिजली, गैस और जल कंपनियां*	189	149,771.98
4	*खनन और उत्खनन*	201	9,921.85
III	**सेवाएं**	**23,974**	**815,887.51**
1	*व्यापार सेवाएं*	12,619	242,417.87
2	*व्यवसायिक*	3,489	234,421.29
3	*रीयल एस्टेट और किराया*	3,893	192,684.66
4	सामुदायिक, निजी और सामाजिक सेवाएं	2,766	64,124.89
5	*वित्त*	590	76,583.25
6	*परिवहन, संचयन और संचार*	609	5,588.05
7	*बीमा*	8	67.50
IV	**अवर्गीकृत**	**2**	**12.00**
	कुल	**31,971**	**1,340,296.82**

टिप्पण- योगदान की बाध्यता में मूर्त एवं अमूर्त संपत्तियां अथवा सीमित देयता भागीदारी के पार्टनरों द्वार लाए गए अन्य लाभ भी शामिल है।

तालिका 5.3: जनवरी, 2015 के दौरान पंजीकृत आर्थिक गतिविधि-वार सीमित देयता भागीदारियां			
क्र.सं.	आर्थिक गतिविधि	संख्या	योगदान की बाध्यता (लाख रूपए में)
I	**कृषि और संबद्ध गतिविधियां**	**40**	**1,101.50**
II	**उद्योग**	**365**	**5,775.11**
1	*उत्पादन*	187	3,462.94
2	*निर्माण कार्य*	160	2,274.47
3	*बिजली, गैस और जल कंपनियां*	10	17.20
4	*खनन और उत्खनन*	8	20.50
III	**सेवाएं**	**1,121**	**10,599.96**
1	*व्यापार सेवाएं*	553	3,894.90
2	*व्यवसायिक*	192	2,106.76
3	*रीयल एस्टेट और किराया*	198	3,370.91
4	सामुदायिक, निजी और सामाजिक सेवाएं	131	570.75
5	*वित्त*	19	206.05
6	*परिवहन, संचयन और संचार*	28	450.60
	कुल	**1,526**	**17,476.57**

टिप्पण- योगदान की बाध्यता में मूर्त एवं अमूर्त संपत्तियां अथवा सीमित देयता भागीदारी के पार्टनरों द्वार लाए गए अन्य लाभ भी शामिल है।

.

तालिका 6.1: जनवरी, 2015 के दौरान पंजीकृत राज्य/संघ शासित वार,ओपीसी, सीमित देयता भागीदारी एवं विदेशी कंपनियां			
राज्य/संघ शासित प्रदेश	**ओपीसी**	**सीमित देयता भागीदारी**	**विदेशी कंपनियां**
अंडमान और निकोबार दीव	-	-	-
आंध्र प्रदेश	7	16	-
अरूणाचल प्रदेश	-	-	-
असम	2	4	-
बिहार	16	16	-
चंडीगढ़	2	3	-
छत्तीगढ़	-	4	-
दादरा और नगर हवेली	-	2	-
दामन एवं दीव	-	1	-
दिल्ली	59	190	1
गोवा	-	1	-
गुजरात	10	114	-
हरियाणा	15	31	1
हिमाचल प्रदेश	4	3	-
जम्मू एवं कश्मीर	-	-	-
झारखंड	1	2	-
कर्नाटक	29	139	-
केरल	3	40	-
मध्य प्रदेश	10	28	-
महाराष्ट्र	51	495	2
मणिपुर	-	-	-
मेघालय	-	1	-
मिजोरम	-	-	-
नागलैड	-	-	-
उड़ीसा	7	7	-
पुडूचेरी		-	-
पंजाब	3	8	-
राजस्थान	12	84	-
सिक्किम	-	1	-
तमिलनाडु	18	71	-
तेलंगाना	11	41	1
त्रिपुरा	-	-	-
उत्तर प्रदेश	29	67	-
उत्तराखंड	2	4	-
पश्चिम बंगाल	7	153	-
कुल	**298**	**1,526**	**5**